मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 200, मुंबई, सोमवार, 27 सितंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

भारत बंद आज

पंजाब में 300 से अधिक स्थानों पर किसान देंगे धरना, जत्थेबंदियां भी तैयार

मोर्चा का दावा, कई संगठनों ने दिया बंद को समर्थन

संवाददाता

चंडीगढ़। कृषि कानूनों के विरोध में शुरू हुए किसान आंदोलन के एक साल पूरे होने पर किसानों ने आज भारत बंद का आह्वान है। पंजाब में भी किसान संगठन बंद के समर्थन में सड़कों पर उतरकर 300 से अधिक स्थानों पर धरना देने की तैयारी कर रहे हैं। किसानों के धरने में दूसरे राज्यों से भी किसान नेता पहुंचकर स्थानीय किसानों का मनोबल बढ़ाएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा ने कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे किसान आंदोलन के एक साल पूरे होने पर 27 सितंबर को भारत बंद का आह्वान किया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

नवी मुंबई में पुलिस कांस्टेबल पर लगा शादी का झांसा देकर एक महिला संग रेप करने का आरोप

फरार है आरोपी

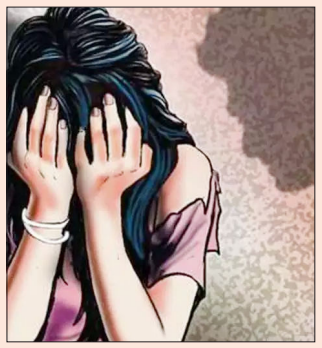

संवाददाता

मुंबई। नवी मुंबई क्राइम ब्रांच में तैनात एक कॉन्स्टेबल पर एक महिला को शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। महिला के गर्भवती होने के बाद उसका जबरन गर्भपात भी करा दिया। पीड़िता ने खांदेश्वर पुलिस स्टेशन में कॉन्स्टेबल के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आयुक्त ने कॉन्स्टेबल को निलंबित कर दिया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में अब सिर्फ 8 घंटे की ड्यूटी करेंगी महिला कांस्टेबल, पहले थी 12 घंटे की शिफ्ट

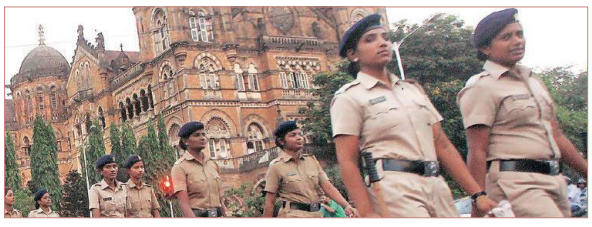

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नव नियुक्त पुलिस महासंचालक संजय पांडेय ने राज्य के पुलिस दल में कार्यरत तमाम महिला पुलिसकर्मियों (कांस्टेबल) के लिए बेहद अहम और तकलीफ को कम करने वाला फैसला लिया है। अब सभी महिला पुलिसकर्मियों के ड्यूटी के घंटो को कम कर दिया गया है। जिससे अब उन्हें सिर्फ 8 घंटे ही ड्यूटी करनी होगी। इसके पहले उन्हें 12 घंटों की ड्यूटी करनी पड़ती थी। डीजीपी संजय पांडेय के मुताबिक इस कदम से महिला कर्मियों को अपनी पारिवारिक और नौकरी की जिम्मेदारी को अच्छे ढंग से निभाने में मदद मिलेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मनी लॉन्ड्रिंग केस: मंत्री अनिल परब को ईडी का दूसरा समन, परब ने किरीट सोमैया पर ठोका था 100 करोड़ के मानहानि का दावा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता अनिल परब के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने एक बार फिर समन जारी किया है। परिवहन मंत्री को 28 सितंबर को पूछताछ के लिए तलब किया गया है। ईडी की ओर से परब को इससे पहले 31 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने एक लोक सेवक और महाराष्ट्र राज्य मंत्री के रूप में कुछ प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए कुछ वक्त मांगा था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

परब ने 50 ठेकेदारों से 2-2 करोड़ वसूलने को कहा: वझे

वझे ने पत्र में जिक्र किया था कि अनिल परब ने उनसे जुलाई-अगस्त 2020 में मुलाकात की थी और एक ट्रस्टी से पैसे वसूलने के लिए कहा था। परब ने उन्हें जांच बंद कराने के नाम पर एक ट्रस्टी से 50 करोड़ लाने के लिए कहा था। इसके बाद परब ने उन्हें इस साल जनवरी में दोबारा बुलाया और बीएमसी के ठेकेदारों के खिलाफ जांच और उनमें से हर एक से 2 करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा। वझे ने दावा किया कि उन्हें ऐसे 50 ठेकेदारों से कम से कम 2 करोड़ रुपये लाने के लिए कहा गया था।

अनिल परब ने आरोपों को नकारा

हालांकि, शिवसेना नेता ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। परब ने कहा था, मैं एक सच्चा शिवसैनिक हूं और हमारे पार्टी के भगवान बालासाहेब ठाकरे और मेरी दोनों बेटियों की कसम खाकर कहता हूं कि मैंने सचिन वझे को ऐसा कुछ नहीं कहा था।' उन्होंने कहा कि वझे ने उन पर जो आरोप लगाए हैं, वह सरासर झूठ हैं। बीजेपी ने पहले ही कहा था कि हम अब अगले मंत्री को टार गेट करेंगे।'

राणे की गिरफ्तारी के बाद भी परब पर लगा था आरोप

परब वही मंत्री हैं, जिनका ऑडियो केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी के बाद वायरल हुआ था। इसमें वे एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एक पुलिस अधिकारी को राणे को जल्द गिरफ्तार करने की हिदायत देते नजर आ रहे थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अदालत में गैंगवार

न्याय के घर में न्यायाधीश न्याय करते हैं, लेकिन जब वहां भी पहुंचकर अपराधी कानून-व्यवस्था को धता बताने लगें, तो न केवल शर्मनाक, बल्कि दुखद स्थिति बन जाती है। राष्ट्रीय राजधानी में उच्च सुरक्षा वाली रोहिणी कोर्ट में सरेआम गोलियां चलीं और दो बदमाशों ने एक बदमाश को ढेर कर दिया। मजबूरन पुलिस को भी अदालत में ही दोनों हथियारबंद बदमाशों के खिलाफ अंतिम विकल्प का सहारा लेना पड़ा। शायद यह एक असहज सवाल होगा, लेकिन क्या पुलिस उन अपराधियों को पकड़ने की कोशिश नहीं कर सकती थी? आखिर ये अपराधी अदालत में घुसे कैसे? इनकी हिम्मत कैसे पड़ी कि वकीलों का चोला पहनकर उन्होंने वकील बिरादरी पर लोगों के विश्वास को हिलाया? क्या उच्च सुरक्षा वाले उस कोर्ट परिसर में वकीलों को प्रवेश से पहले रोकने-टोकने-जांचने की हिम्मत पुलिस में नहीं है? बेशक, यह जो कमी है, उसके लिए पुलिस के साथ-साथ वकीलों की भी एक जिम्मेदारी बनती है। सोचना चाहिए कि राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत में यह खिलवाड़ हुआ है, तो देश में बाकी अदालतों में जांच-प्रवेश की कैसी व्यवस्था होगी? अदालत परिसर में भी तो कम से कम ऐसी चौकसी होनी चाहिए कि कोई अपराधी किसी प्रकार के हथियार के साथ न घुस सके। क्या हमारे न्याय के घर अपराधियों के लिए तफरी या वारदात की जगह में बदलते जाएंगे? अदालत में हुई इस गैंगवार ने कानून-व्यवस्था के इंतजाम को झकझोर कर रख दिया है। वकीलों और पुलिसकर्मियों से भरे रहने वाले परिसर में न्याय का यह बर्बर मजाक नहीं तो क्या है? क्या पिछले वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी में अपराधियों का दुस्साहस बढ़ गया है? मारे गए बदमाश गोगी की गैंग हो या उसे मारने वाले ताजपुरिया की गैंग, इनके लिए भला राष्ट्रीय राजधानी में कैसे जगह निकल आई है? यहां अपराधियों को कौन पनपा रहा है या कौन पनपने दे रहा है? रोहिणी कोर्ट की इस वारदात की रोशनी में पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अपराध जगत पर नजर फेर लेनी चाहिए। स्थिति अच्छी नहीं है, विगत वर्षों में दिल्ली न सिर्फ दंगों की गवाह रही है, दिल्ली ने किसान आंदोलन के नाम पर भी दिल्ली सीमा से लाल किले तक अपराधियों का तांडव देखा है। अब भी अगर सचेत नहीं हुए, तो क्या राष्ट्रीय राजधानी अपना आकर्षण खोने नहीं लगेगी? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में लगातार दूसरे वर्ष दिल्ली में 20 लाख से अधिक आबादी वाले 19 महानगरीय शहरों में अधिकतम अपराध दर दर्ज हुए हैं। चेन्नई कुल 88,388 मामलों के साथ सूची में दूसरे स्थान पर रहा। दिल्ली में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत 150.6 प्रति दस लाख जनसंख्या की दर से 2,45,844 मामले दर्ज हुए। हां, हो सकता है, दिल्ली में लोग ज्यादा जागरूक हों, पुलिस भी रिपोर्ट दर्ज करने में आगे हो, लेकिन तब भी दिल्ली को ऐसी किसी भी स्याह सूची में नीचे ही आना चाहिए। साल 2011 के अनुसार, दिल्ली में एक करोड़ साठ लाख से ज्यादा लोग थे, अब आबादी दो करोड़ के आसपास होगी, इतने बड़े शहर की कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को इतना ज्यादा मुस्तैद रहने की जरूरत है कि यहां किसी भी अपराधी को फन फैलाने का कोई मौका न मिले।

हकीकत कैसे सामने आएगी?

गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर तीन टन हेरोइन पकड़े जाने के बाद डीआरआई की टीम ने देश के कई हिस्सों में छापेमारी की। डीआरआई की टीम ने गुजरात में अहमदाबाद, गांधीधाम और मांडवी में छापेमारी की। उसके बाद दिल्ली और चेन्नई में भी छापे मारे गए। लेकिन क्या किसी को पता है कि इन छापों में क्या मिला? क्या पता चला? किसकी गिरफ्तारी हुई? क्या जून में आई 25 टन हेरोइन का कोई सुराग इससे मिला? इन सवालों का जवाब किसी को नहीं पता है। लेकिन अगर घटनाक्रम पर नजर डालें तो कई चीजें अपने आप स्पष्ट हो जाएंगी।

मुंद्रा पोर्ट पर तीन टन हेरोइन पकड़ने वाली टीम के हवाले से ही खबर आई कि जून में 25 टन हेरोइन उतरी थी। और यह संयोग है कि उसके अगले महीने 10 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्पेशल टीम ने साढ़े तीन सौ किलो हेरोइन जब्त की, जिसकी कीमत ढाई हजार करोड़ रुपए लगाई गई। यह दिल्ली में जब्त की गई हेरोइन की सबसे बड़ी खेप थी। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों की यह खेप समुद्र के रास्ते मुंबई पहुंची थी और वहां से इसे दिल्ली लाया गया था और यहां से इसे मध्य प्रदेश के शिवपुरी ले जाना था, जहां इसे और फाइन बनाने की फैक्टरी है। वहां से इसे पंजाब भेजा जाना था। पुलिस ने इस सिलसिले में एक अफगानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। दो लोग फरीदाबाद से गिरफ्तार किए गए हैं और एक कश्मीर में रहने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले मई के महीने में दिल्ली पुलिस ने 125 किलो हेरोइन जब्त की थी, जिस मामले में दो अफगानी नागरिक पकड़े गए थे। अगस्त में दिल्ली पुलिस ने 48

करोड़ रुपए की हेरोइन और जब्त की। सोचें, समुद्र के रास्ते हेरोइन मुंबई पहुंची, मुंबई से उसे दिल्ली लाया गया, दिल्ली से इसे मध्य प्रदेश जाना था और वहां से बिक्री के लिए इसे पंजाब भेजना था। इस रैकेट में मुंबई से लेकर कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश और पंजाब के लोग शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों देशों से इसके तार जुड़े हैं। पुलिस इसकी नारको टेरेरिज्म के पहलू से भी जांच कर रही है। सवाल है कि इस जांच से क्या हासिल हो रहा है और क्या पुलिस इस पूरे खेल में शामिल असली लोगों तक पहुंच पा रही है?

देश के दूसरे सबसे बड़े उद्योगपति गौतम अडानी के स्वामित्व वाले मुंद्रा पोर्ट पर तीन हजार किलो हेरोइन पकड़ा जाना भी महज संयोग रहा अन्यथा यह भी जून के 25 टन हेरोइन की तरह चुपचाप निकल ही जाता। असल में 15 सितंबर को कोस्ट गार्ड्स ने गुजरात के समुद्र तट के आसपास ईरान की एक नौका देखी और गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते के साथ मिल कर उस नौका को रोका और तलाशी ली। उसमें से 30 किलो हेरोईन मिली, जिसकी कीमत कोई डेढ़ सौ करोड़ रुपए है। इस मामले में सात लोग पकड़े गए। इतनी बड़ी बरामदगी से उत्साहित एजेंसियों ने उसी दिन मीडिया को बता दिया कि उसे कितनी बड़ी कामयाबी मिली है। पकड़े गए लोगों से पूछताछ में पता चला कि पकड़ा गया माल कुल खेप का एक फीसदी है और तीन हजार किलो माल कंटेनर में है, जो कंटेनर मुंद्रा पोर्ट पर है। इसके बाद एजेंसियों के लिए मजबूरी हो गई है कि वे मुंद्रा पोर्ट का नाम लें और बताएं कि वहां से क्या बरामद हुआ है। अगर संयोग से समुद्र तट में नौका नहीं पकड़ी गई होती या पकड़े जाने के समय ही पता चल जाता कि असली माल कहां है तो क्या पता किसी को कुछ पता चलता भी या नहीं! तर्क के लिए कहा जा सकता है कि अगर बंदरगाह पर नशीली दवा पकड़ी गई है तो इसमें बंदरगाह के स्वामित्व वाली कंपनी का क्या कसूर है या इसमें उसकी क्या भूमिका है? सोशल मीडिया में यह भी बहस है कि अगर यह अडानी का खेल होता तो क्या एजेंसियों की हिम्मत होती इसे पकड़ने की? लेकिन सवाल है कि तीन टन हेरोइन पकड़ी गई तो उससे पहले 25 टन हेरोइन नहीं भी तो पकड़ी गई थी? सो, ऐसी किसी बहस में उलझने की बजाय इस मामले की गंभीरता को समझने की जरूरत है। यह समझना जरूरी है कि यह कोई विजयवाड़ा के आशी ट्रेडिंग का काम नहीं है, बल्कि कोई बड़ा ड्रग कार्टेल यह काम कर रहा है। इसकी सचाई सामने आना इसलिए जरूरी है क्योंकि एक तो यह युवाओं को बरबाद करके देश को खोखला कर रहा है और दूसरे लाखों करोड़ रुपए के इस कारोबार के फलने-फूलने का बड़ा असर देश के राजनीतिक-आर्थिक सिस्टम पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा।

दोनों का डंका एक सा!

देश और पूरी दुनिया में इस समय मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का डंका बज रहा है। सोशल मीडिया के भक्त लंगूरों के मुताबिक दुनिया की राजनीति और कूटनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डंका है तो कारोबार की दुनिया में दो गुजराती कारोबारियों अंबानी और अडानी का डंका बज रहा है। हर दिन उनकी संपत्ति में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। यह ऐसा अद्भुत संयोग है कि भारत सरकार जो भी नीति बना रही है उसका फायदा इन दो कारोबारियों को हो रहा है। इनके अलावा भी दो-चार कारोबारी हैं, जिनको कुछ लाभ हुआ है लेकिन इन दो कारोबारियों की कमाई असीमित है। ताजा खबर है कि रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी और अडानी समूह के संस्थापक गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर कारोबारी बन गए हैं। इन दोनों ने चीन के बड़े कारोबारियों जैक मा और झोंग शानशेन को पीछे छोड़ दिया है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस समूह देश की सबसे बड़ी कंपनी है, जबकि अडानी समूह देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारोबारी समूह है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग की अरबपतियों की सूची के मुताबिक मुकेश अंबानी की दौलत 84 अरब डॉलर से ज्यादा हो गई है और वे दुनिया के 12वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए है। इस साल अब तक अंबानी की दौलत में 7.62 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। गौतम अडानी उनके

ठीक पीछे हैं और उनकी संपत्ति बढ़कर 77 अरब डॉलर के पार हो गई है। इस साल उनकी संपत्ति में 43.2 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, वे दुनिया के 14वें सबसे अमीर शख्स हैं। दोनों एक सौ अरब डॉलर की संपत्ति वाले चुनिंदा कारोबारियों की सूची में शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कोरोना वायरस की महामारी शुरू हुई थी तो भारत का शेयर बाजार 30 हजार अंक के आसपास था, जो पूरे महामारी के दौरान बढ़ता रहा और अब 60 हजार अंक के करीब पहुंच गया है। शेयर बाजार में दोनों कारोबारियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल आया है। अडानी समूह की कंपनियों के शेयर तो दो सौ, तीन सौ फीसदी से ज्यादा बढ़े हैं। बहरहाल, केंद्र सरकार जो भी फैसला कर रही है उसका सीधा फायदा इन दो कंपनियों को मिल रहा है। सरकार ने तीन कृषि कानून बनाए तो उसका सीधा फायदा अडानी को मिल रहा है, जिसने बड़े पैमाने पर कृषि उत्पादों के कारोबार में एंट्री की है। सरकार ने नेशनल मोनेटाइजेशन प्लान बनाया तो माना जा रहा है कि अगले चार साल में देश की अनेक सार्वजनिक संपत्तियां इन दो कंपनियों के हाथ में जाएंगी। सरकार एलपीजी के ऊपर से सब्सिडी खत्म कर रही है तो उसका भी सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस समूह को होने का अनुमान है। अभी तीन निजी कंपनियां एलपीजी सिलिंडर आपूर्ति का काम करती हैं, जिनमें रिलायंस अव्वल है। चूंकि सरकार पहले सिलिंडर पर सब्सिडी देती थी इसलिए रिलायंस की इस क्षेत्र में बहुत रूचि नहीं थी। लेकिन अब सब्सिडी लगभग खत्म है और बची खुची सब्सिडी इस साल के अंत तक खत्म हो जाएगी। अब तक रिलायंस गैस का ध्यान कॉमर्शियल एलपीजी पर था क्योंकि रसोई गैस की सब्सिडी उन्हें नहीं मिलती है। सब्सिडी का लाभ सिर्फ सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को मिलता है। सब्सिडी खत्म होने के बाद वह रसोई गैस के कारोबार में भी आएगी और देश के दो करोड़ टन घरेलू गैस के सालाना कारोबार पर कब्जे के लिए काम करेगी। उसके लिए इससे हजारों करोड़ रुपए के नए कारोबार का रास्ता खुल गया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

टोरेंट के बढ़ते बिल को लेकर हार्ट अटैक से हुई एक बुजुर्ग की मौत

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। लगातार विवादों में रहने वाली टोरेंट कंपनी आज फिर अखबारों की सुर्खियों में नजर आ रहा है यह बात समझ से परे है कि मीडिया द्वारा लगातार टोरेंट के विरोध में खबरों को प्रकाशित किया जा रहा है फिर भी टोरेंट कंपनी टस से मस होने का नाम तक नहीं ले रही है और तो और इनका अत्याचार दिन दुगना रात चौगुना बढ़ता ही चला जा रहा है पीडी का बकाया बिल वसूल करना बिल वसूल करने के लिए गुंडागर्दी करना दादागिरी करना यह टोरेंट कंपनी के लिए आम बात हो गई है अब तो मामला इस कदर बढ़ गया है टोरेंट के बढ़ते हुए बिल को लेकर लोग अपनी जान गवा रहे हैं ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है हुसैनअली गांडे वर्ष 68 रहवासी जेनबया कांपलेक्स एफ विंग दूसरा माला 203 रॉयल गार्डन कौसा मुंब्रा यह बुजुर्ग व्यक्ति का बिल सवा लाख रुपया टोरेंट कंपनी द्वारा भेजा गया था जिसमें से यह व्यक्ति ने कर्जा लेकर 25 हजार टोरेंट कंपनी

में जमा किए थे और बची रकम एक लाख की यह व्यक्ति ने कहा कि मुझे इसमें डिस्काउंट दे दो लेकिन टोरेंट के अधिकारियों ने इस बुजुर्ग व्यक्ति से कहा आपको किसी तरह का कोई डिस्काउंट नहीं दिया जाएगा और पूरी रकम आपको अदा करनी पड़ेगी यह बुजुर्ग व्यक्ति के घर में जवान लड़के की मौत हो चुकी है और कमाने वाला कोई नहीं है यह टेंशन बुजुर्ग ने ले लिया और इसी कारण हार्ट अटैक से यह बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई इस मामले का खुलासा जब हुआ 23 सितंबर गुरुवार को टोरेंट कंपनी के अधिकारी कर्मचारी अपने बॉडीगार्ड को लेकर जेनबया कंपलेक्स में अपना बिल वसूल करने के लिए आय थे उसी दौरान वहां के रहवासियों ने बुजुर्गों की मौत का खुलासा किया और टोरेंट कंपनी का भरपूर विरोध करने लगे उसी वक्त कर्मचारी अधिकारी टोरेंट कंपनी के वहां से खिसक लिए गए इतना दर्दनाक हादसा होने के बाद भी टोरेंट कंपनी अपनी आदतों से बाज नहीं आ रही है मुंब्रा शहर वासियों की नजर सत्ताधारी पार्टी पर टिकी हुई है कलवा मुंब्रा के विधायक तथा गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड से यह आशा लगा रहे हैं कि यही व्यक्ति है जो टोरेंट कंपनी को बाहर निकाल देगा और मुंब्रा कौसा को टोरेंट मुक्त कराएगा अब देखना यह है क्या मंत्री जितेंद्र अवार्ड शहर वासियों की दुख तकलीफ पीड़ा को समझेंगे जो टोरेंट कंपनी द्वारा दी जा रही है?

शराबी पति ने पत्नी को जिंदा जलाया

संवाददाता/समद खान

ठाणे। भिवंडी शहर के शांति नगर परिसर से एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है मामला यह बताया जा रहा है गत 23 सितंबर गुरुवार को शराबी पति को शराब के लिए पैसे नहीं देने पर पत्नी को केरोसीन डालकर जिंदा जला दिया पीड़िता को साइन हॉस्पिटल में उपचार हेतु भेजा गया हालत गंभीर अवस्था में होने के कारण पीड़िता की अस्पताल में मृत्यु हो गई पीड़िता के भाई द्वारा मिली जानकारी के अनुसार फिरोज शेख वर्ष 36 रहवासी गौसिया मस्जिद के सामने पत्नी रुखसाना बानो की शादी को 15 साल हो गए फिरोज को शराब पीने की आदत की वजह से वह सही तरह से काम धंधा नहीं करता था और आए

मृतक रुखसाना बानो - फिरोज शेख

दिन शराब पीकर मेरी बहन पर अत्याचार करता मेरी बहन जैसे- तैसे काम करके घर संभालती थी लेकिन यह शराबी फिरोज मेरी बहन के साथ रोज मारपीट करता था और कुछ दिन पहले ही बोल रहा था कि मैं मर जाऊंगा या इसको मार दूंगा और आज उसने ये हरकत मेरी बहन को केरोसिन डालकर जिंदा जला कर कर दी। इस मामले में शांति नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फिरोज शेख ने शराब पीने के लिए पैसे मांगे पत्नी द्वारा पैसे नहीं देने पर दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ और गुस्से में आकर फिरोज शेख ने शाम 5:00 बजे अपनी पत्नी के ऊपर केरोसिन डालकर जिंदा जला दिया पहले उसको नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर होने की कारण उसको साइन अस्पताल में ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई और हमने इस हत्या के विरोध में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर फिरोज शेख को गिरफ्तार कर लिया है आगे की जांच चल रही है।

गटर में गिरने से 3 साल के मासूम
बच्चे की जाते-जाते बची जान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अमृत नगर परिसर के दादी कॉलोनी के गटर में 3 साल का मासूम बच्चा की जान जाते-जाते बची मासूम बच्चे का नाम हन्नान है और यह बच्चा खड़ी मशीन के पास का रहवासी है मामला यह बताया जा रहा स्थानीय रहवासियों द्वारा यह गटर का काम तकरीबन 15 दिन से चल रहा है और यह काम के दौरान प्रशासन द्वारा किसी भी तरह की कोई सावधानी नहीं बरती गई इसी कारण एक बहुत बड़ी प्राण घातक घटना घटने से बज गई दरअसल मामला यह है कि जहां गटर का काम चालू है इस परिसर से रोज काफी लोगों का गुजर होता है और यहां पर बच्चे भी खेलने के लिए आते हैं तो प्रशासन को चाहिए था की गटर के काम को जल्द से जल्द पूरा किया जाए लेकिन प्रशासन द्वारा इस काम को लेकर काफी ढिलाई बरती जा रही है और इसी ढिलाई से गटर का काम अगर प्रशासन करती रही तो यह गटर कहीं हादसों का बवंडर ना बन जाए गौरतलब बात यह है यह वार्ड नगरसेवक वह विरोधी पक्ष नेता शानू पठान का बताया जा रहा है स्थानीय समाज सेवक अहमद नेता ने इस हादसे

मासूम हन्नान

को लेकर कठोर प्रतिक्रिया दिखाई है और उन्होंने शानू पठान को आड़े हाथों लिया और कहां शहर भर में हो रहे विकास कार्य को लेकर ढंडोरा पीटने पर आपत्ति जताई है उन्होंने कहा है कि विकास का ढिंढोरा पूरे मुंब्रा शहर में पीटा जा रहा हैं लेकिन इनके वार्ड का क्या हाल है गंदगी इतनी हैं कि लोगों का रास्ते पर चलना दुबर हो गया है जगह जगह पर कचरू का अंबार लगा हुआ है गटर के हादसे को लेकर उन्होंने कहा क्या उनकी जिम्मेदारी नहीं बनती वार्ड में नाले का काम मैं ढिलाई क्यों बरती जा रही है इस पर ठेकेदार से सवाल करें अगर यह मासूम बच्चे की जान चली जाती तो उसका जिम्मेदार कौन होता स्थानीय लोगों ने यह भी कहां है हजरत ख्वाजा सैयद फखरुद्दीन शाह बाबा की मजार शरीफ पर जाने वाला रास्ता इतना गंदा है जगह जगह इस रास्तों पर खड्डे पड़े हुए हैं गंदगी इतनी कि पूछो मत लोगों का यही कहना है इतने बड़े पद पर रहने के बाद भी अपने वार्ड की गंदगी दूर नहीं कर पा रहे हैं और विकास के बड़े-बड़े दावे मुंब्रा शहर में लोगों के बीच किए जा रहे हैं यह बात हजम नहीं होती कुछ दिन पहले रशीद कंपाउंड के बाईपास के करीब देवरी पाड़ा में नाला धंस जाने से कार मैं सवार चार लोग सहित गिर जाने का मामला भी सामने आया था लेकिन स्थानीय रहवासियों की मदद से इन चारों की सही सलामत बाहर निकाल लिया गया नहीं तो इन चारों की जान भी चली जाती और उससे पहले इसी नाले में एक पत्थरों से भरा ट्रक पलटी हो गया था लोगों का कहना है विकास के दावे करने वाले हमको तो कहीं पर भी विकास नजर नहीं आ रहा है सिर्फ दावे किए जा रहे हैं कि मुंब्रा शहर में विकास हो रहा है इसका खाली झूल दिया जा रहा है विकास तो मुंब्रा में नेताओं का हो रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

भारत बंद आज

पंजाब की 32 किसान जत्थेबंदियों ने भी पंजाब भर में धरने लगाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पंजाब के खुफिया विभाग के अनुसार सोमवार को किसान 300 से अधिक स्थानों पर धरना और प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान कुछ जिलों में किसान रेलवे यातायात रोकने का भी प्रयास करेंगे। खुफिया विभाग की ओर से मिले इनपुट के बाद सरकार की ओर से सभी जिलों के डीसी को हर पहलू पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। इधर पंजाब सरकार की ओर से सभी किसान जत्थेबंदियों से अपील की गई है कि वह अपना आंदोलन शांति पूर्वक जारी रखें। संयुक्त किसान मोर्चा ने दावा किया है कि सोमवार को भारत बंद के दौरान आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा। किसान सुबह 6 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक सड़कों पर डेरा डालेंगे। इससे हरियाणा में दर्जनों स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्गों समेत स्टेट हाईवे पर जाम रहेगा। इस दौरान एंबुलेंस, सेना और पत्रकारों के वाहनों को आने जाने की छूट रहेगी। किसान संगठनों ने हिसार में चार स्थानों आदमपुर, बरवाला, देवा और रामायण में रेलगाड़ी रोकने का भी दावा किया है। मोर्चा ने किसानों के लिए व्यापारियों, कर्मचारियों समेत सभी वर्गों से समर्थन का आह्वान किया है। उधर, हरियाणा पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। एसकेएम समन्वय समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ. दर्शनपाल ने रविवार को कुंडली बॉर्डर पर बातचीत में बताया कि सोमवार सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक भारत बंद रखा जाएगा। किसान संगठनों ने श्रम संगठनों सहित अपने समर्थकों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी योजना बनाई है कि आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर, देशभर में सभी कार्य स्थगित रहे। केंद्रीय श्रम संगठन नई दिल्ली के जंतर मंतर पर सुबह 11 बजे एक विरोध रैली करेगा। संयुक्त किसान मोर्चा समन्वय समिति के सदस्य डॉ. दर्शनपाल ने दावा किया कि भारत बंद को कई राजनीतिक दलों के साथ साथ कई अन्य संगठनों ने किसानों को समर्थन दिया है।

मनी लॉन्ड्रिंग केसः मंत्री अनिल परब को ईडी का दूसरा समन

परब ने दो दिन पहले ही भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर पूर्व सांसद पर 100 करोड़ के मानहानि का दावा किया है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने अनिल परब पर कोंकण के दापोली में अवैध होटल बनाने का आरोप लगाया था। सोमैया ने सार्वजनिक रूप से परब पर परिवहन विभाग में ट्रांसफर रैकेट चलाने का आरोप भी लगाया था। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास विस्फोटक रखने और मनसुख हिरेन की हत्या मामले में गिरफ्तार महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वझे द्वारा एनआईए को एक चिट्ठी भेजी गई थी, इसमें अनिल देशमुख के अलावा मंत्री अनिल परब पर भी अवैध वसूली के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया गया था। वझे ने एनआईए को लिखी चिट्ठी में दावा किया था कि अनिल परब ने उनसे ठेकेदारों से पैसे उगाहने के लिए कहा था।

नवी मुंबई में पुलिस कांस्टेबल पर लगा शादी का झांसा देकर एक महिला संग रेप करने का आरोप

सूत्रों के अनुसार, खांदेश्वर पुलिस ने नवी मुंबई क्राइम ब्रांच में तैनात रुपेश कोहली (23) के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज किया है। पीड़ित महिला से उसकी सोशल मीडिया पर पहचान हुई थी। उसने शादी का झांसा देकर कई बार महिला से शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने शादी के लिए कहा, तो मारपीट की गई। उसका जबरन गर्भपात भी करा दिया। पनवेल के सहायक पुलिस आयुक्त भागवत सोनवणे ने बताया कि पीड़ित महिला ने चार दिन पहले खांदेश्वर पुलिस को इस घटना की जानकारी दी थी।

महाराष्ट्र में अब सिर्फ 8 घंटे की ड्यूटी करेंगी महिला कांस्टेबल

इसके अलावा कुछ दिनों पहले उन्होंने यह बात भी कही थी कि पुलिसकर्मियों के साप्ताहिक अवकाश के एक दिन पहले उन्हें लम्बी और तनावपूर्ण ड्यूटी में ना लगाया जाए। संजय पांडेय पद संभालने के बाद से ही लगातार पुलिस कमर्चारियों की तकलीफों को दूर करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। फिलहाल यह आदेश एक प्रयोग के तौर पर दिया गया है। इसके बाद यह चेक किया जायेगा कि इस आदेश से असल में महिला पुलिस कांस्टेबल के लिए कितना फायदा हुआ है। फिलहाल यह प्रयोग अगले आदेश तक जारी रहेगा। हलांकि कर्मचारियों की किल्लत से महाराष्ट्र सरकार विभागों की तरह पुलिस महकम भी जूझ रहा है।

अफगानिस्तान में तालिबानी सजा का खौफनाक दौर फिर शुरू

किडनैपिंग के 4 आरोपियों को दिनदहाड़े मारी गोलियां, बीच चौराहे पर घंटों लटकाए रखा शव

अफगानिस्तान में लागू किए गए सख्त इस्लामिक कानून

संवाददाता / हेरात

अफगानिस्तान में तालिबानी सजा का दौर शुरू हो चुका है। तालिबान ने अपनी कथनी और करनी में बड़ा भेद पैदा करते हुए युद्धग्रस्त देश में सख्त इस्लामिक कानून लागू करने शुरू कर दिया है। ताजा मामला पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत का है।

तालिबानी पुलिस ने हेरात शहर के मुख्य चौराहे पर शनिवार को 4 लोगों को पहले दिनदहाड़े गोली मारी। फिर शवों को क्रेन के सहारे बीच चौराहे घंटो लटकाए रखा। चारों पर किडनैपिंग का आरोप था। हेरात शहर के एक प्रत्यक्षदर्शी वजीर अहमद सिद्दीकी ने बताया कि तालिबान की कथित पुलिस 4 शवों को चौराहे पर लेकर आई और एक को क्रेन के सहारे टांग दिया गया। शव घंटो हवा में झूलता रहा। उसके गले में एक तख्ती भी लटकी हुई थी, जिसमें पश्तो में कुछ लिखा हुआ था। बाकी के तीन शवों को तालिब शहर के अन्य चौराहे पर ले गए। वे कह रहे थे कि इन्हें भी यही सजा दी जाएगी। इस तरह प्रदर्शन से लोगों में दहशत पैदा होगी।

- *अफगानिस्तान में इस्लामिक कानून लागू करना चाहता है तालिबान*
- *उसने सत्ता में आते ही महिलाओं के काम पर पहले ही लगा दी थी रोक*

भय पैदा करने के लिए ऐसी सजाएं जरूरी

तालिबान ने कहा भय पैदा करने के लिए ऐसी खौफनाक सजाएं जरूरी तालिबान का कहना है कि लोगों के जेहन में गलत काम के लिए डर और खौफ पैदा करने के लिए ऐसी सजा जरूरी है। तालिबान ऐसी सजाएं आगे भी जारी रखेगा, ताकि गलत काम करने से पहले लोग हजार बार सोचे। वजीर ने बताया कि गलत काम के लिए सजा देनी चाहिए। लेकिन इस तरह का अमानवीय तरीका इंसनियत के लिए सही नहीं है। सिद्दीकी कहते हैं, अफगानिस्तान में एक बार फिर से वहीं 90 का दशक लौट आया है, जब लोग तालिबान के डर से कांपते थे। सिद्दीकी ने बताया कि तालिबानी चारों शवों को जानवरों की तरह एक पिकअप में डाल कर चौराहे पर लाए थे।

अफगानिस्तान में एक बार फिर लौट आया 90 का दशक

उन्होंने बताया कि चौराहे पर शव एकत्र करने के बाद कुछ ही देर में यहां हजारों लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद एक तालिबानी ने माइक से लोगों को जानकारी दी कि ये चारों एक किडनैपिंग में शामिल अभियुक्त थे। इन्हें पुलिस ने मार गिराया है। हालांकि, तालिबान ने यह साफ नहीं किया कि इन चारों को एनकाउंटर में मारा गया या फिर गिरफ्तार करने के बाद शूट किया गया। इन्हें किस जगह पर मारा गया इस बात की भी जानकारी नहीं दी गई। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि इन्हें पुलिस ने भीड़ के सामने गोली मारी है।

20 साल या उससे अधिक उम्र की सारी लड़कियों का शादीशुदा होना जरूरी

- 18 से ऊपर लड़कियां विवाह के बाद ही विश्वविद्यालयों में ले सकती हैं दाखिला

अफगान लड़कियों और महिलाओं के आत्मसम्मान को चोट पहुंचाते हुए तालिबान ने फरमान जारी किया कि 20 साल या उससे अधिक उम्र की सारी लड़कियों को शादी करनी अनिवार्य है। एक अन्य आदेश के अनुसार 18 साल से ऊपर की लड़कियों को शादी करके ही यूनिवर्सिटी में पढ़ने की इजाजत होगी। उन्हें अपने शौहर के साथ यूनिवर्सिटी जाने की इजाजत दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने 35 साल से कम उम्र की वे विधवाएं जिनके पतियों की पिछली सरकार में मौत हो गई थी, उन्हें तालिबानी लड़ाकों के साथ निकाह करना होगा।

तालिबान महिलाओं को काम बंद करने का पहले ही दिया जा चुका है आदेश

तालिबान ने सत्ता पर काबिज होने के बाद महिलाओं को काम पर पर न जाने का हुक्म सुनाया है और अब शरिया कानून लागू करने की आड़ में महिलाओं को गुलामी की बेड़ियों में जकड़ने की साजिश के तहत एक के बाद एक फरमान जारी किए जा रहे हैं। इसकेसाथ ही तालिबान महिलाओं का एक धड़ा तैयार कर रहा है, जो तालिबानी फरमान को इस्लामी कानून में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बताये गए उपाय करार दे रही है। तालिबान कीइस पहल से साफ जाहिर है कि तालिबान ने अफ़ग़ानिस्तान की सत्ता संभालने के बाद महिलाओं के अधिकार और उनकी सुरक्षा को लेकर जो बातें कहीं थी, वो महज़ बातें थीं।

राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती देने वालों की खैर नहीं, मिलेगा मुंहतोड़ जवाबः राजनाथ सिंह

राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के 2019 बैच के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

संवाददाता / नई दिल्ली

राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) के 2019 बैच के दीक्षांत समारोह को शनिवार को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार की सीमा विवादों और सीमापार आतंकवाद को लेकर अपनाए गए सुदृढ़ रूख ने देश को मजबूत किया है। भारत एक शांति चाहने वाला देश है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देने से भी पीछे नहीं हटेगा। एनडीसी आतंकवाद से मुकाबला करने को लेकर आम समझ पैदा करने और समाधान निकालने को लेकर महत्वपूर्ण निभा सकता है। उन्होंने कॉलेज के 59वें पाठ्यक्रम के ग्रैजुएट्स से नए और तेजी से उभर रहे क्षेत्रों जैसे साइबर, स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर अधिक ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया।

अफगानिस्तान ने बताई वास्तविकता

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में उक्त कोर्स को पूरा करने वाले ग्रैजुएट्स को बधाई दी। इसके अलावा अफगानिस्तान की हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इसने हमारे समय की वास्तविकता को उजागर किया है। भू-राजनीति का विकास इसकी अनिश्चितता के साथ जुड़ा हुआ है। राज्य की सीमाओं में आज उतनी बार परिवर्तन नहीं हो सकता जितना पहले हुआ करता था। हमारा उद्देश्य राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रणनीतिक संबंध बनाना है। यह सिद्धांत रणनीतिक सोच के मूल तत्व हैं। कोरोना महामारी के बावजूद छात्रों ने चुनौतियों को अवसर में बदल दिया है। ज्ञान की भूमिका को किसी देश की सबसे बड़ी संपत्ति के रूप में बहुत लंबे समय से महसूस किया गया है। हमने अपने गुरुओं को समाज में सबसे ऊंचे पायदान पर रखा है। ज्ञान और बुद्धिमता को हमारे समाज में सर्वोच्च गुणों के रूप में माना गया है।

बाइडेन ने पीएम मोदी को ऑफर की सीट कहा कभी यह मेरी कुर्सी थी, अब आप बैठिए

संवाददाता / नई दिल्ली

अमेरिका दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुक्रवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात हुई। इसमें द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के साथ ही बाइडेन और मोदी की शानदार बॉन्डिंग दिखी तो हंसी-मजाक भी हुआ। मोदी जैसे ही व्हाइट हाउस में दाखिल हुए बाइडेन ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया तो मोदी ने हाथ जोड़कर नमस्कार किया। पीएम मोदी का हाथ पकड़कर बाइडेन उन्हें अंदर ले गए और जिस कुर्सी पर बिठाया उसका किस्सा भी सुनाया। बाइडेन ने मजाकिया लहजे में मोदी से कहा कि यह मेरी उस समय की कुर्सी है, जब मैं उप-राष्ट्रपति था, अब इस पर आप बैठिए। दरअसल जो बाइडेन, बराक ओबामा के समय में अमेरिका के उपराष्ट्रपति रहे थे।

मोदी-बाइडेन की मुलाकात पर टिकी रहीं पाकिस्तान की निगाहें

मोदी और बाइडेन की ये पहली मुलाकात थी, जिस पर भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की नजरें टिकी थीं। खासतौर से पाकिस्तान ये देखना चाहता था कि व्हाइट हाउस में मोदी का स्वागत कैसे होता है, क्योंकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को बाइडेन ने राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद अभी तक एक बार फोन तक नहीं किया है। अब बाइडेन और मोदी की मुलाकात से पाकिस्तान समझ गया होगा कि अमेरिका-भारत के रिश्तों का भविष्य कैसा रहने वाला है।

बाइडेन ने याद दिलाया पुराना बयान-सन 2020 तक दुनिया के सबसे करीबी देश होंगे भारत और अमेरिका

बाइडेन ने 2006 का अपना वह बयान भी याद दिलाया जिसमें उन्होंने कहा था कि 2020 तक भारत-अमेरिका दुनिया के सबसे करीबी देश होंगे। साथ ही उपराष्ट्रपति रहते हुए अपनी मुंबई यात्रा को भी याद किया। बाइडेन ने मजाक में कहा कि मुंबई में उनके रिश्तेदार हैं। फिर तुरंत स्थिति साफ करते हुए बताया कि उन्हें मुंबई से एक व्यक्ति का खत मिला था, जिसका नाम बाइडेन था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाइडेन से मुलाकात को बेहतरीन बताया। उन्होंने कहा- महात्मा गांधी हमेशा कहते थे कि हम इस प्लेनेट के ट्रस्टी हैं। यह भावना ही भारत-अमेरिका के बीच संबंध मजबूत करेगी। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड का अपना महत्व है। इस दशक में कारोबार के क्षेत्र में हम एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि बहुत सी ऐसी चीजों की भारत को जरूरत है, जो अमेरिका के पास हैं।

पुरानी रंजिश के चलते कांदिवली में 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या, 4 को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस के उपायुक्त (डीसीपी) ने शनिवार को कहा कि मुंबई के कांदिवली पश्चिम में एक 22 वर्षीय व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी (पुलिस जोन 11) विशाल सिंह ठाकुर के अनुसार, पीड़ित अनवर बाबू सैय्यद को पुरानी दुश्मनी के कारण गुरुवार को उसके दोस्तों ने कम से कम 20 बार चाकू मारा और उसे घटना स्थल से बहुत दूर फेंक दिया गया। ठाकुर ने कहा, हमें गुरुवार सुबह 4 बजे कांदिवली पश्चिम की सड़क के किनारे एक घायल व्यक्ति के मिलने की सूचना मिली थी। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

अधिकारी ने कहा कि तकनीकी सहयोग से पुलिस ने घटना के 12 घंटे के भीतर मुंबई के अलग-अलग हिस्सों से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। ठाकुर ने कहा कि आरोपियों की पहचान वेंकटेश राजमणि मुरलीधर, राजमणि प्रकाश मुरलीधर, विनायक जीतेंद्र और आकाश श्रवण के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और उन्हें 27 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रयागराज हलचल

अज्ञात बदमाशों ने मां -बेटी को उतारा मौत के घाट

संवाददाता

नवाबगंज, प्रयागराज। प्रयागराज जनपद में दोहरा हत्याकांड की वारदात हुई। नवाबगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात मां-बेटी की हत्या कर दी गई। दोनों के गले पर चापड़ से दरिंदों ने वार किया था। वहीं एक वर्ष के मासूम को हत्यारों ने सही सलामत छोड़ दिया। हत्याकांड की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल की जा रही है। हालांकि अभी तक हत्यारों के बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका है। और न ही हत्या की वजह अभी पता चली है। मौके पर पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीम के साथ डाग स्क्वायड भी पहुंच कर जांच-पड़ताल कर रहा है। जगदीशपुर मसनी गांव नवाबगंज और होलागढ़ थाना क्षेत्रों के बार्डर पर स्थित है। फिलहाल यह गांव नवाबगंज थाना क्षेत्र में आता है। गांव के गोडवा बस्ती में गुरुवार की रात चापड़ से गला काट कर दो हत्या की गई, जिनमें 35 वर्षीय अंजली सरोज पत्नी दिलीप

कुमार सरोज व उसकी 12 वर्षीय पुत्री संजीवनी को जान से मारा गया है। मां-बेटी रोज की तरह गुरुवार की रात में भी घर के बरामदे में सो रही थीं।

मासूम ऋषभ को हत्यारों ने छोड़ दिया

रात में किसी समय अज्ञात बदमाशों ने अंजली और संजीवनी की हत्या कर दी। दिलीप कुमार पुणे में नौकरी करता है। वह पांच माह माह पूर्व घर से वापस नौकरी पर गया था। घटना की जानकारी डेढ़ वर्षीय पुत्र ऋषभ रोते हुए वह आपने बाबा के घर पहुंचा, जिनका घर करीब 25 मीटर दूरी पर है। वहां पर गया तब लोगों ने उसके शरीर पर खून लगा देखा। बाबा राम सजीवन आदि लोग उसके घर पहुंचे तो होश उड़ गए। संजीवनी गांव के ही परिषदीय विद्यालय में कक्षा 5 में पढ़ती थी।

बड़ी बेटी दिल्ली में है व एक बेटा बुआ के घर

अंजली सरोज के दो बेटे और दो बेटी हैं। बड़ी 15 वर्षीय बेटी संजना एक पखवाड़ा पूर्व दिल्ली गई थी। वहीं दूसरे नंबर का 13 वर्षीय बेटा शुभम अपनी बुआ के घर करीब पांच दिन पूर्व पूरब नारा गया था। गुरुवार की रात में घर पर सिर्फ तीन लोग ही थे। अंजली और संजीवनी की हत्या की गई लेकिन अंजली के एक वर्षीय बेटा ऋषभ को हत्यारों ने छोड़ दिया। हत्या की जानकारी होने पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वहीं सूचना पाकर नवाबगंज पुलिस पहुंची। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। तथा डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज।

समस्तीपुर हलचल

गोलियों की गुंज से थरार्या समस्तीपुर, अपराधियों ने किराना व्यवसाय को गोली मारकर कर दी हत्या, अपराधीयों ने पूर्व में मांगी थी रंगदारी

समस्तीपुर (जकी अहमद)। मुसरीघरारी थाना हल्का के उदाहाट (शुक्र पेठिया) चौक के पास रविवार कि सुबह दो बाईक पर चार बाईक सवार अपराधियों ने एक किराना दुकानदार को गोली मार दी। जिन्हें स्थानीय लोगों ने आनन फानन में ईलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां ईलाज के दौरान दुकानदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान उदाहाट निवासी 66 वर्षीय चंद्रभूषण प्रसाद के तौर पर हुई है। घटना के बाद सभी अपराधी हथियार लहराते हुए पश्चिम दिशा कि और भाग निकले। बताया जाता है कि किराना दुकानदार चंद्रभूषण प्रसाद अपने दुकान पर बैठे थे, इसी बीच बाईक सवार अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। फायरिंग के दौरान उन्हें

पांच गोली शरीर में लगी जिससे घटनास्थल पर भी वह अचेत होकर गिर पड़े। इसके बाद ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार पूर्व में अपराधियों द्वारा व्यवसाई से रंगदारी की मांग की गई थी जिसकी शिकायत पुलिस के वरीय पदाधिकारियों से भी की गई थी। इधर दुकानदार की हत्या को लेकर स्थानीय लोगों ने मुसरीघरारी चौराहा को घंटो जामकर हत्यारो की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर गाड़ियों कि लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम समाप्त कराने को लेकर मुसरी घरारी थाना के अलावा सरायरंजन, उजियारपुर, ताजपुर समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी पहुंचे परंतु सभी को निराशा का सामना करना पड़ा। आक्रोशित लोग डीएम और एस पी को बुलाने कि मांग कर रहे थे। वहीं थाना अध्यक्ष संजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर लाश को आपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया।

चहल्लुम त्यौहार को लेकर नगर थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

समस्तीपुर (जकी अहमद)। रविवार को नगर थाना में चहल्लूम एवं दुर्गा पूजा त्योहार को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित कि गई। बैठक कि अध्यक्षता सदर अनुमंडल पदाधिकारी रविन्द्र कुमार दिवाकर ने की जबकि संचालन वार्ड पार्षद राजेश कुमार ने की। शांति समिति में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि इस समय जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर धारा 144 लागू है। ऐसे में लोगों को भीड़ भाड़ वाली जगह जाने से परहेज करना चाहिए, कोरोना काल के प्रोटोकाल पालन भी करें। उन्होंने सभी मुस्लिम समुदाय से अपील किया की चहल्लूम शांति पूर्वक मनाएं किसी तरह का मतभेद पैदा न हो। एसडीओ ने कहा कि चहल्लूम के बाद दुर्गा पूजा पर्व प्रारम्भ होने जा रहा है। इस त्योहार में डीजे पर पूर्ण रूपेण पाबन्दी है, डीजे आदि नहीं बजाना है। उन्होंने कहा कि बहादूरपुर स्थित दुर्गा स्थान और मथुरापुर घाट के पास अधिक भीड़ लगी रहती है। दोनों स्थानों पर पुलिस बल तायना त रहेगा। ताकि कोई परिंदा भी पर न मार सके। शांति समिति की बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी रविन्द्र कुमार दिवाकर के अलावा नगर थाना अध्यक्ष अरुण कुमार राय, नगर परिषद के सभापति तारकेश्वर प्रसाद गुप्ता, उप सभापति शारीक रहमान लवली, ईमाम रिजवी, अनंत कुशवाहा, डॉ0 दुर्गेश राय, फैजूर रहमान फैज, उमा शंकर मिश्रा, रजीउल इस्लाम उर्फ रिज्जो, राजेश कुमार, मनोज कुमार गुप्ता, चंदन कुमार, अनस रिजवान, मो0 नन्हें, बनारसी ठाकुर, संतोष कुमार साह, मो0 नवाब आलम, तरुण कुमार चौधरी, प्रदीप कुमार शिवे आदि मौजूद थे।

मास्टर इम्तेयाज अहमद के पुत्र ने यूपीएससी में 282 रैंक प्राप्त कर ज़िले का नाम किया रौशन लोगों ने दी बधाई

समस्तीपुर। शहर के धरमपुर न्यू कॉलोनी निवासी शिक्षक इम्तेयाज अहमद के पुत्र अल्तमश गाजी ने यूपीएससी में 282 वां रैंक लाकर जिले के अलावा अपने खानदान का नाम रौशन किया। बताते चले की अल्तमश गाजी ने आईआईटी में बेहतर कामयाबी हासिल कि थी। फिर यूपीएससी की तैयारी कर पहली बार में ही अच्छे रैंक में कामयाबी हासिल कर ली। इधर इनकी कामयाबी को लेकर उनके परिवार में हर्ष व्याप्त है। अल्तमस गाजी को बधाई देने वालों में एडवोकेट अंजारूल हक सहारा, हसीब अहमद, प्रो0 शाहिद अहमद, मास्टर वली उल्लाह, मास्टर जकी उर रहमान, नजमुल इस्लाम, नौशाद अहमद, मेहमूद आलम, मास्टर कासीम सबा, जाकिर अहमद, एहसानुल हक चुन्ने, मास्टर इस्लाम सल्फी, ताहिर अरमान, मास्टर रईस अहमद आदि का नाम शामिल है। सभी ने मुबारकबाद देते हुए उन्हें भविष्य में भी सफलता कि कामना की।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से मतगणना हेतु अधिकरियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

समस्तीपुर। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं पुलिस कप्तान मानव जीत सिंह ढिल्लो के द्वारा वज्र गृह-सह-मतगणना हेतु चयनित महिला आईटीआई कॉलेज, मोरदीवा, समस्तीपुर का स्थल निरीक्षण किया गया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी रविन्द्र कुमार दिवाकर, समस्तीपुर सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मो0 शहबान हबीब फाखरी, समस्तीपुर सदर व मुख्यालय, नोडल पदाधिकारी बज्र गृह-सह-मतगणना कोषांग और विशेष कार्य पदाधिकारी उपस्थित थे। उपस्थित पदाधिकारी को जिलाधिकारी द्वारा निम्नांकित निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि प्रत्येक प्रखंडों व पंचायतों के लिए कम से कम 10 अस्थाई शौचालय बनवाना सुनिश्चित करेंगे। इतना ही नहीं पेयजल की समुचित व्यवस्था रखना सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने कहा कि पंडाल में लोगों के बैठने की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे।

सम्भल हलचल

सुमन्त कुमार बनें जिला सचिव सम्भल आजाद समाज पार्टी काशीराम

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में अभी काफी वक़्त है लेकिन राजनीतिक दलों ने दो हजार बाइस में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए पार्टी संगठन को मजबूत बनाना शुरू कर दिया है और

विधानसभा चुनावों की तैयारी कर संगठन को मजबूत बनाना शुरू कर दिया है सम्भल में आजाद समाज पार्टी काशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद एडवोकेट के आदेशानुसार जिला अध्यक्ष रोविन्स कुमार ने ग्राम आलम सराय निवासी सुमन्त कुमार को आजाद समाज पार्टी काशीराम का सम्भल जनपद का जिला सचिव नियुक्त किया है और सुमन्त कुमार से आशा व्यक्त करते हुए पार्टी की नीति एवं उद्देश्य का पालन करते हुए पार्टी का विस्तार करेंगे और संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर काशीराम के बहुजन सुखाय की विचारधारा को आगे बढ़ाने में अपना पूर्ण योगदान देंगे सुमन्त कुमार के जिला सचिव बनने से परिवार में खुशी का माहौल है।

रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अलीगढ़ जिला अध्यक्ष बनें फरहान अहमद रंगरेज

संवाददाता/अरमान उलहक

अलीगढ़। रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सरपरस्त हाजी मुनीर अहमद रंगरेज संस्थापक निजामुद्दीन रंगरेज उत्तर प्रदेश के प्रभारी नईम अहमद रंगरेज ने संगठन का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष इशरत अली रंगरेज की संस्तुति पर उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के मोहल्ला जीवन गढ़ निवासी फरहान अहमद रंगरेज को रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया का अलीगढ़ जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है फरहान अहमद रंगरेज की संगठन के प्रति निष्ठा, ईमानदारी, धर्म निरपेक्षता एवं मेहनत को देखते हुए इनको यह पद सौंपा गया है साथ ही इनसे आशा की जाती है यह रंगरेज फॉउंडेशन ऑफ इंडिया की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे फरहान अहमद रंगरेज के जिलाध्यक्ष बनने पर परिवारिक सदस्यों दोस्तों रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है काफी संख्या में लोगों ने घर पहुँचकर जिला अध्यक्ष बनने पर मुबारकबाद दी है।

पूर्व एडीओ पंचायत वसीम अहमद की जांच कराकर रिकवरी ना हुई तो मंच के कार्यकर्ता करेंगे आंदोलन

संभल। दलित मुस्लिम सुरक्षा मंच के कार्यालय पर एक आवश्यक बैठक प्रदेश अध्यक्ष भीकम सिंह भारती की अध्यक्षता एवं कौशल प्रजापति के कुशल संचालन में संपन्न हुई सभा को संबोधित करते हुए कौशल प्रजापति ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि विकासखंड पंवासा के सचिव वसीम मलिक द्वारा करोड़ों रुपए का गबन अपने पद पर दुरुपयोग करते हुए किया गया शासन ने ऐसे भ्रष्ट अधिकारी को किस आधार पर एडीओ पंचायत बनाया एवं इसने एडीओ पंचायत के पद पर कितने घोटाले किए होंगे पुनः सचिव होने पर इसने अपने कार्य को अंजाम देना प्रारंभ कर दिया है उक्त वसीम की जांच पुणे किसी केंद्रीय जांच एजेंसी से इसके द्वारा कराए गए कार्यों की जांच कराई जाए यदि वसीम अहमद के द्वारा किए गए घोटालों की जांच कराई गई तो मंच के कार्यकर्ता उप जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, तथा जिलाधिकारी का घेराव करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी जिम्मेदारी उक्त अधिकारियों की होगी बैठक के दौरान हेमलता वर्मा, रेखा सागर, चौधरी मुजफ्फर यावली, मोहसिन अली, अशोक कुमार फूल जहां, वाहिद अली, जरीना बेगम, जमीला बेगम, प्रताप सिंह, जगबीर, शानू, खालिद आदि उपस्थित रहे आपको बता दें कीउत्तर प्रदेश के जनपद संभल के विकासखंड पंवासा के पूर्व एडीओ पंचायत वसीम अहमद ने कमीशन खोरी के चलते सरकारों के आदेशों की न केवल धज्जियां उड़ाई बल्कि मोटी रकम का बंदरबांट भी किया इतनी मोटी रकम का बंदरबांट करने वाले वसीम अहमद को आखिर किसके इशारे पर एडीओ पंचायत बनाया गया वसीम अहमद ने सचिव रहते हुए अपनी ग्राम पंचायतों आढौल, चंदायन, नगलिया बल्लू, अल्लीपुर खुर्द, कैली, गोविंदपुर, भवानीपुर, किसौली आदि ग्राम पंचायतों में रहते हुए सरकारी धन का काफी गवन किया अगर इन ग्राम पंचायतों में बने शौचालय की उच्च अधिकारियों से जांच करा ली जाए और जांच निष्पक्ष हो जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इन सभी ग्राम पंचायतों में बने शौचालयों में गड्ढों के नाम पर खेल किया गया है 5 फुट की जगह 2 फुट के गड्ढों पर ही पटान कर दिया गया है कोई भी शौचालय मानक के अनुसार नहीं बना हुआ है। इन ग्राम पंचायतों में बने शौचालयों में सीमेंट की जगह मिट्टी से निर्माण कराया गया है जिसकी जांच निष्पक्ष हो जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा अगर इतने बड़े गबन करने वालों को पदोन्नति की जाएगी तो भ्रष्टाचार तो खुद ही पनप जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यह एक सब्जी आपको नहीं होने देती आंतों का कैंसर

ब्रोकली

को हरी गोभी के नाम से भी जाना जाता है। लोग इसे सलाद या सब्जी के रूप में खाना पसंद करते हैं। प्रोटीन,कैल्शियम, काबोर्हाईड्रेट, आयरन, विटामिन ए और सी आदि कई प्रकार के लवण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की लगभग हर हिस्से को पोषण देते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इसका सेवन आपको आंतों के कैंसर से भी बचाता है। जी हां, एक स्टडी के मुताबिक, ब्रोकली का सेवन आपको आंतों की हर समस्या से बचाता है।

इस स्टडी की रिपोर्ट में सामने आया है कि गोभी या ब्रोकली जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से आंत स्वस्थ रहते हैं और आंतों के कैंसर से भी बचाव होता है। इसके अलावा इसका सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है इसलिए हर किसी को अपने भोजन में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। गोभी और ब्रोकली में आई3सी पाया जाता है, जो एक एक्रियल हाइडोकार्बन रिसेप्टर (एएचआर) नाम के प्रोटीन को सक्रिय करता है। इससे आंतों के कैंसर से बचा जा सकता है। अगर आप हफ्ते में कम से कम 2-3 बार भी ब्रोकली का सेवन करेंगे तो आप आंतों के कैंसर से बचे रहेंगे। दरअसल, एएचआर एक पर्यावरणीय सेंसर के रूप में काम करता है, जोकि प्रतिरक्षा तंत्र और आंतों की एपिथिलिएल कोशिकाओं को संकेत देता है कि सूजन से बचाव करने की कोशिश करें। इसके साथ ही यह आंत में पाए जाने वाले खरबों बैक्टीरिया से प्रतिरक्षा भी प्रदान करता है। शोध प्रमुख का कहना है, 'जब कैंसर ग्रस्त चूहों को आई3सी से भरपूर डाइट खिलाया गया तो उनमें ट्यूमर की संख्या में कमी देखी गई'।

मल्टी विटामिन खाने से बढती है याददाशत

अक्सर औरतें घर में चीजें रखकर भूल जाती हैं। क्लास में बच्चों को बार -बार पढने पर भी याद नही रहता और कई बार पुरुष भी जरुरी बिल बगैहर भरने भूल जाते हैं। घर के बुजुर्ग भी यादाश्त कमजोर होने की शिकायत करते है। ऐसे में अपने भोजन में मल्टीविटामिन के सप्लीमेंट्स को शामिल करके आप अपनी याददाशत तेज कर सकते हैं।

कैसे बढ़ सकती है आपकी याददाशत

ऑस्ट्रेलिया में हुई एक रिसर्च में सामने आया है कि मल्टीविटामिन से याददाशत तेज होती है और दिमाग की कमजोरी दूर होती है। मल्टीविटामिन से दिमाग की कोशिकाएं तेज हो जाती हैं।

इन शोधों में दावा किया गया है कि अगर हम लगातार चार हफ्ते तक खाने में मल्टीविटामिन का प्रयोग करेगें तो दिमाग की क्रियाओं में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

सेहतमंद रहने के लिए हमारे शरीर को 13 विटामिन्स की जरुरत पड़ती है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी विटामिनों का अलग अलग कार्य होता है।ए, बी, सी, डी, ई और आठ प्रकार के विटामिन होते है जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरुरी होते हैं। इनमें से कुछ विटामिन्स के फायदे नुकसान और स्त्रोत आज आप को बताएंगे।

1.विटामिन ए की कमी से अंधापन, आंखों में सूखापन, रूखे बाल, सूखी त्वचा, बार-बार सर्दी-जुकाम, थकान, कमजोरी, नींद न आना आदि होता है।

यह हमें पीली या नारंगी सब्जियां, पालक, स्वीट पोटेटो, पपीता, दही, सोयाबीन और दूसरी पत्तेदार हरी सब्जियां के सेवन से मिलता है।

2. विटामिन बी काम्पलेक्स मेटॉबालिज्म बढ़ाता है साथ ही खाने से मिलने वाले पोषण को ऊर्जा में बदलने के काम करता है। यह हमें टमाटर, भूसीदार गेंहु का आटा, अण्डे की जर्दी, हरी पत्तियो के साग, बादाम, अखरोट आदि के सेवन से मिलता है।

3. विटामिन सी कोशिकाओं को स्वस्थ रखता है। यह दांत, त्वचा और आंखों के लिए जरुरी होता है। दूध, दही, संतरे, आंवले, अंगूर आदि में यह भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

4. विटामिन डी की मदद से शरीर में कैल्शियम का निर्माण होता है और कैल्शियम हड्डियों की मजबूती के लिए जरुरी होता है। सूरज की किरणे इसकी मुख्य स्त्रोत होती है।

5.विटामिन इ, खून में रेड बल्ड सेल या लाल रक्त कोशिका (Red Blood Cell) को बनाने के काम आता है। विटामिन ई पालक, एवोकाडो, बादाम, ब्रोकली, सूरजमुखी के बीज, पीनट, बटर खाने से मिलता है। विटामिन ई की कमी से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता घट जाती।

यह शरीर को एलर्जी से बचाता है।मल्टीविटामिनों का महत्व का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि ब्रिटेन में हर साल इस पर 14 करोड़ पाउंड खर्च किए जाते हैं।

हल्के दर्द में भी लेते है पेनकिलर तो संभल जाएं, होगा नुकसान

सिर या जोड़ों में दर्द उठा नहीं कि आप पेनकिलर खा लेते हैं? अगर हां तो संभल जाएं। दर्द निवारक दवाओं का अंधाधुंध सेवन हार्ट अटैक और स्ट्रोक से मौत का खतरा 50 फीसदी तक बढ़ा देता है। 'ब्रिटिश मैडीकल जनर्ल' में प्रकाशित एक अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है। डेनमार्क स्थित आरहुस यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के शोधकताओं ने 63 लाख लोगों पर पैरासिटामोल, आइबुब्रूफेन और डाइक्लोफेनैक सहित अन्य दर्द निवारक दवाओं के दुष्प्रभाव आंके।

उन्होंने पाया कि स्टोरॉयड रहित ये दवाएं शरीर से पानी और सोडियम निकालने की किडनी की रफ्तार धीमी कर देती है। इससे रक्त प्रवाह तेज हो जाता है, साथ ही अंगों को खून पहुंचाने में ज्यादा दवाब पड़ने के कारण धमनियों के फटने और व्यक्ति के हार्ट अटैक व स्ट्रोक का शिकार होने का खतरा रहता है।

अध्ययन में यह भी देशा गया कि दर्द निवारक दवाएं बल्ड प्रैशर घटाने में इस्तेमाल होने वाली दवाओं को बेअसर करती हैं। मुख्य शोधकर्ता मॉर्टिन शिमित के मुताबिक, दर्द निवारक दवाएं दिल की धड़कन को अनियत्रिंत करती हैं। इससे व्यक्ति को बेचैनी, घबराहट, सीने में दर्द की शिकायत हो सकती है।

ये भी हैं नुकसान

-पैरासिटामोल, आइबुब्रूफेन और डाइक्लोफेनैक से लैस दवाएं किडनी की क्रिया प्रभावित करती हैं।

- शरीर में पानी सोडियम का स्तर बढ़ने से रक्त प्रवाह तेज होता है और नस फटने की आशंका भी रहती है।

- ब्लड प्रैशर घटाने में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न दवाओं को भी बेअसर करती हैं दर्द निवारक दवाएं।

दर्द से राहत दिलाएंगी ये 5 चीजें

1. हल्दी

फ्री-रैडिकल्स को नष्ट करने वाले हल्दी का सेवन दर्द को दूर करने में कारगार होता है।

2. लौंग

दांत में दर्द होने पर लौंग का सेवन काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा अन्य बॉडी पेन को दूर करने के लिए भी यह बेहतरीन प्राकृतिक तरीका है।

3. अदरक

अदरक में दर्द का सिग्नल दिमाग तक पहुंचाने वाले अंजाइम की क्रिया को बाधित करने वाले यौगिक पाए जाते हैं।

4. बादाम

ओमेगा-3 फेटी एसिड मांसपेशियों में दर्द, सूजन, खिंचाव का सबब बनने वाले रसायनों को निष्क्रिय करता है।

5. बर्फ या गर्म पानी की सिकाई

जोड़ों या मांसपेशियों का दर्द होने पर बर्फ या गर्म पानी की सिकाई करें। यह नसों में खून का प्रवाह सुचारू बनाकर दर्द को कम करती हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शर्लिन चोपड़ा ने शिल्पा शेट्टी पर कसा तंज

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को मुंबई पुलिस ने अश्लील फिल्म बनाने और उन्हें एप पर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। हाल ही में राज कुंद्रा को जमानत पर रिहा किया गया है। इस केस में राज कुंद्रा के खिलाफ कई मॉडल और एक्ट्रेस गंभीर आरोप लगा चुकी है। एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा का नाम भी इस केस में आया है। शर्लिन से पुलिस ने कई घंटों तक पूछताछ भी की थी। वहीं शर्लिन चोपड़ा लगातार राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी पर निशाना साध रही हैं। एक बार फिर से शर्लिन ने शिल्पा शेट्टी को निशाने पर लिया है। शर्लिन चोपड़ा ने शिल्पा को रील लाइफ से बाहर हकीकत की दुनिया में आने का ज्ञान दिया है। उन्होंने शिल्पा के टीवी पर साष्टांग दंडवत प्रणाम करने और रानी लक्ष्मीबाई के बारे में बात करने पर तंज कसा है। शर्लिन ने ट्वीट कर लिखा, आप टीवी पर साष्टांग दंडवत प्रणाम करतीं हैं, उन कलाकारों को जिनकी कला से आप प्रभावित होती हैं। कृपया, रील लाइफ से बाहर निकलकर रियल दुनिया में जाकर पीड़ित महिलाओं को थोड़ी बहुत सहानुभूति दिखाएं यकीन मानिए सारी दुनिया आप को साष्टांग दंडवत प्रणाम करेगी। शर्लिन ने इस पोस्ट में शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को टैग किया है और साथ ही एक वीडियो भी पोस्ट किया है। वीडियो में शर्लिन कह रही हैं, इस देश के लिए मैं कुछ करूं, खुद के लिए नहीं इस देश के लिए जिऊं। खुद के लिए बंगला बनाना, खुद के लिए गाड़ी खरीदना अच्छा है एक हद तक, लेकिन गाड़ी बंगला खरीदने के बाद क्या?

ट्रोलर्स ने तापसी पन्नू को कहा मर्दाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस जल्द ही फिल्म 'रश्मि रॉकेट' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह एक एथलीट की भूमिका निभा रही हैं, जिसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। हाल ही में तापसी की इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों की अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। वहीं कुछ लोग तापसी को फिल्म में उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और मर्दाना फ्रेम के लिए ट्रोल कर रहे हैं। वहीं अब तापसी ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। तापसी पन्नू ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने विभिन्न प्रकार की कमेंट को स्क्रीनशॉट लेकर शामिल किया। इस वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने लिखा, आप सभी का दिल से शुक्रिया, लेकिन मैं यह बताना चाहती हूं कि ऐसी बहुत सी महिलाएं हैं जो अपनी गलती ना होने के बावजूद भी ऐसी बातों को रोजाना सुनती हैं। उन्होंने लिखा, सभी एथलीट्स को मेरी तरफ से एक श्रद्धांजलि जो भी खेल और अपने देश के लिए पसीना और अपना खून देते हैं उन्हें यह सुनने को मिलता है। बता दें कि फिल्म में तापसी एक सफल एथलीट की भूमिका में दिखाई देंगी। वहीं जेंडर वेरिफिकेशन टेस्ट के बाद उन पर फ्रॉड होने का ठप्पा लग जाता है। जिसके बाद उनकी जिंदगी काफी बदल जाती है। यह फिल्म 15 अक्टूबर, 2021 को जी5 पर रिलीज होगी।

जूही चावला को सेट पर फराह खान से मिलता था 'थप्पड़'

बॉलीवुड एक्ट्रेस जूही चावला हाल ही में 'जी कॉमेडी शो' पर पहुंचीं। इस शो में कोरियोग्राफर फराह खान 'लाफिंग बुद्धा' की भूमिका निभा रही हैं। इस दौरान जूही चावला ने उन दिनों की यादें ताजा की जब उन्हें अपनी फिल्म के सेट पर फराह खान से 'थप्पड़' मिलता था। जूही ने कहा, मैंने पहले भी जी कॉमेडी शो देखा है और यह भी कि कैसे फराह सभी कॉमेडियन को बहुत प्यार से फरार्टेदार थप्पा देती हैं, लेकिन जब हम उनके साथ काम करते थे, तो हमें लगभग रोज एक थप्पड़ मिलता था। उन्होंने कहा, कभी-कभी, वह सेट पर आती थीं और हर कोई कड़ी मेहनत व रिहर्सल कर रहा होता, लेकिन हो सकता है कि उन्हें वह पसंद न आता हो जो हम कर रहे थे, इसलिए पूरी यूनिट के सामने वह माइक लेतीं और चिल्लातीं, ये क्या बकवास है? तुम सब क्या बकवास कर रहे हो? हम डर जाते थे। वहीं जूही चावला की बात सुनकर फराह खान कहती हैं, उन दिनों वाकई बकवास कर रहे थे, कुछ भी कर रहे वे लोग, लेकिन हमने एक साथ कई बेहतरीन गाने किए हैं और हमने अपनी मस्ती का भी उचित आनंद लिया। जूही सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों और डांसर्स में से एक हैं, जिन्हें मैं जानती हूं और मैंने उनके साथ काम करके बहुत अच्छा समय बिताया है।